

Bharat Award

Tarh Peeju तार पीजू Arunachal Pradesh 8 years 1 months



Posthumous
मरणोपरान्त

Deed: The incident occurred on the afternoon of 19 May 2016. Tarh Peeju had joined two of her friends who were attempting to cross a river to go to their parents at the farm house on the other side without the knowledge of their families. All of a sudden, Tarh Peeju saw the other two children being swept away by the strong undercurrent. She instantly jumped into the 5 feet deep river and dragged both of them to safety. However, she herself was submerged and swept downstream by the strong current of the river. The families alerted by the rescued children, launched a massive search operation. Tarh Peeju was rushed to nearest hospital where she was declared to be brought dead.

Tarh Peeju displayed heroic courage and sacrificed her life in saving her friends.

कार्य: यह घटना 19 मई 2016 की दोपहर की है। तार पीजू अपनी दो सहेलियों के साथ एक नदी पार कर फार्म हाउस तक जाने का प्रयास कर रही थी। उनके माता-पिता को इस बात की जानकारी नहीं थी। अचानक तार पीजू ने अपनी सहेलियों को नदी की तीव्र धारा में बहते हुए देखा। उसने तुरन्त 5 फुट गहरी नदी में छलॉग लगा दी और उन्हें सुरक्षित किनारे तक पहुँचाया। किन्तु वह स्वयं डूब गयी और नदी की तीव्र धारा में बह गई। बच्चों द्वारा परिवार वालों को सूचित करने पर, उन्होंने उसकी बहुत तलाश की। तार पीजू को अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।

तार पीजू ने अपनी सहेलियों का जीवन बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर अपार साहस का परिचय दिया।

Geeta Chopra Award



Tejasweeta Pradhan
तेजस्विता प्रधान
West Bengal
17 years 10 months



Shivani Gond
शिवानी गोंद
West Bengal
16 years 9 months

Deed: MARG, an NGO, received a request from Maiti Nepal for seeking help to locate a minor girl who had gone missing from Nepal. MARG located the missing girl in New Delhi and instantly informed CBI in Delhi and also Students Against Trafficking Club (SATC) members of two schools. Tejasweeta Pradhan & Shivani Gond (SATC members) befriended the missing girl on Facebook and started chatting. They continuously kept the minor girl engaged in chatting and pretended to be in need of employment. These SATC members were lured by the missing girl to flashy work/sex trade in New Delhi. Fake Aadhar Cards were sent to them and they were told to cross the border immediately. A trap was laid by the local police with the help of MARG and SATC members. A lady and a man, who had come to pick up the girls of SATC, were apprehended by the Police.

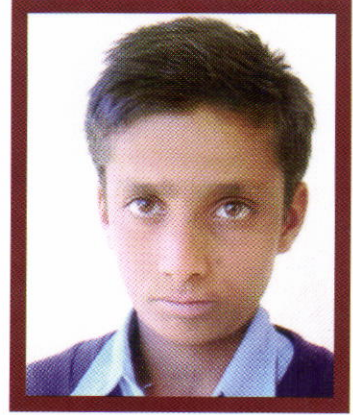
Tejasweeta Pradhan and Shivani Gond showed immense courage in fearlessly helping the Police and the NGO in uncovering an international sex racket leading to the arrest of the mastermind in Delhi.

कार्य: मेतैई नेपाल ने, एक गुमशुदा लड़की को तलाशने के लिए, एक एन.जी.ओ. मार्ग से मदद माँगी। मार्ग को पता चला कि गुमशुदा लड़की नई दिल्ली में थी। तुरन्त उन्होंने दिल्ली सीबीआई और स्टूडेंट्स अगेन्स्ट ट्रैफिकिंग क्लब के दो स्कूल के सदस्यों को सूचना दी। एस.ए.टी.सी. सदस्य तेजस्विता प्रधान और शिवानी गोंद ने लापता लड़की से फेसबुक पर दोस्ती की और उससे बात-चीत करना शुरू कर दिया। उन्होंने लगातार उस नाबालिग लड़की से संपर्क बनाए रखा और नौकरी की तलाश में होने का बहाना किया। लापता लड़की ने एस.ए.टी.सी. सदस्यों को नई दिल्ली में देह व्यापार का लालच दिया। उन्हें नकली आधार कार्ड्स भेजे गए और तुरन्त सीमा पार करने को कहा गया। पुलिस द्वारा मार्ग एवं एस.ए.टी.सी. सदस्यों की मदद से एक जाल बिछाया गया। एस.ए.टी.सी. सदस्यों को लेने आई एक महिला और एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया।

तेजस्विता प्रधान और शिवानी गोंद ने असीम साहस और निर्भीकता से पुलिस और एनजीओ की मदद की जिससे एक अंतर्राष्ट्रीय सेक्स रेकेट का पर्दाफाश हुआ और दिल्ली में मुख्य आरोपी को भी पकड़ लिया गया।

Sanjay Chopra Award

Sumit Mamgain
सुमित ममगाई
Uttarakhand
15 years 2 months



Deed: On the morning of 8 November 2015, Sumit and his cousin Ritesh were going to a nearby field to graze cattle. Suddenly a leopard that was hiding in the bushes attacked Ritesh on his head. Seeing this, Sumit cried aloud and threw stones at the leopard. The leopard left Ritesh and moved towards Sumit. Holding its tail, Sumit hit him with a chopper. Sumit continued to retaliate and the beast fled. As Ritesh was bleeding profusely from his head & hand, he was taken to the hospital.

Sumit Mamgain displayed outstanding bravery in fighting a wild animal & saved his cousin's life.

कार्य: 8 नवम्बर 2015 की सुबह, सुमित और उसका चचेरा भाई रितेश पशुओं को चारा खिलाने के लिए पास के खेत में जा रहे थे। अचानक, झाड़ियों में छिपे एक गुलदार ने रितेश के सिर पर हमला कर दिया। यह देखकर, सुमित ने शोर मचाते हुए गुलदार की ओर पत्थर फेंके। गुलदार रितेश को छोड़कर, सुमित की ओर बढ़ने लगा। उसकी पूँछ पकड़ कर सुमित ने उस पर दंराती से वार किया। सुमित के निरन्तर प्रयास से, गुलदार भाग गया। चूंकि रितेश के सिर और हाथों से काफी खून बह गया था, उसे अस्पताल ले जाया गया।

सुमित ममगाई ने एक जंगली जानवर का सामना करके अदम्य साहस का परिचय दिया और अपने मित्र का जीवन बचाया।

Bapu Gaidhani Award



Posthumous
मरणोपरान्त

Roluahpuii
रोलुआपुई
Mizoram
13 years 3 months

Deed: The incident occurred on the morning of 3 March, 2016 when the teaching staff and students of a Government School, had gone to Tuivawl river for a picnic. Roluahpuii was playing with her friends. Just then, a panic scream was heard. Roluahpuii instantly ran downstream and dived into the 18 feet deep river pool where one of her schoolmates was being dragged towards a whirlpool. Roluahpuii pushed her towards the shore from where she was pulled out by others to safety. Roluahpuii also rescued another school mate Sarah, however she herself was entrapped by the strong current and dragged inside the whirlpool. Her body was later recovered.

Roluahpuii sacrificed her life in her bold and selfless act of saving two lives.

कार्य: घटना 3 मार्च 2016 की है जब एक सरकारी स्कूल के अध्यापक और छात्र पिकनिक के लिए तुईवाल नदी पर गए हुए थे। रोलुआपुई अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। तभी अचानक कुछ चीख-पुकार सुनाई दी। रोलुआपुई अविलम्ब नीचे की तरफ भागी और 18 फुट गहरी नदी में छलौंग लगा दी जहाँ उसकी एक सहपाठी भँवर में फँस गई थी। रोलुआपुई ने उसे किनारे की ओर धकेला जहाँ से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रोलुआपुई ने एक अन्य सहपाठी सारहा को भी बचाया, किन्तु वह स्वयं तीव्र धारा की चपेट में आकर भँवर में फँस गई। उसके शव को बाद में ढूँढ निकाला गया।

दो जीवन बचाने के निःस्वार्थ एवं साहसिक प्रयास में, रोलुआपुई ने अपने प्राणों की आहूति दे दी।

Bapu Gaidhani Award

Tushar Verma
तुषार वर्मा
Chhattisgarh
15 years



Deed: At around 9.00 p.m. on 20 September 2015, a temporary shed in Shri Bhuluram Verma's house caught fire. The old couple lived alone in the house. When Shri Verma saw the fire, he started screaming loudly. There was a lot of straw kept on the top of the shed while three cows and two bulls were tied inside. Hearing Shri Verma's scream, neighbours rushed to the spot. Tushar who was having dinner, left his meal and ran towards the shed. As the neighbours tried to put out the fire by throwing water, Tushar immediately climbed on the top of the shed. Taking water from the people gathered there, he tried to douse the flames. Although Tushar had a tough time, he persevered in his attempt for more than three hours until the fire was extinguished. The cattle were rescued with the help of villagers. Tushar received burn injuries in the incident.

Tushar Verma set an example for many children with his gallant and selfless act.

कार्य: 20 सितंबर 2015 की रात नौ बजे, श्री भुलुराम वर्मा के घर में बनी अस्थायी पशु-शाला में आग लग गई। घर में सिर्फ वृद्ध दंपति रहते थे। आग लगी देख, श्री भुलुराम जोर-जोर से चिल्लाने लगे। छप्पर पर काफी भूसा रखा हुआ था एवं अंदर तीन गाय और दो बैल बंधे हुए थे। श्री भुलुराम की चीखें सुनकर, पड़ोसी घटनास्थल पर पहुँचे। भोजन कर रहा तुषार, भोजन छोड़, पशुशाला की ओर दौड़ा। पड़ोसी पानी से आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। तुषार तुरन्त छत पर चढ़ गया। वहाँ एकत्रित लोगों से पानी लेकर, वह आग बुझाने की कोशिश करने लगा। हालाँकि तुषार को बहुत कठिनाई हो रही थी, परन्तु फिर भी वह बिना रुके तीन घंटे तक आग बुझाता रहा जब तक पूरी तरह आग शांत नहीं हो गई। ग्रामीणों की मदद से, पशुओं को भी बचा लिया गया। इस घटना में तुषार काफी जल गया।

तुषार वर्मा ने अपने साहसिक एवं निःस्वार्थ कार्य से कई बच्चों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

Bapu Gaidhani Award



rosinumous
मरणोपरान्त

H. Lalhriatpuii
एच. लालरियातपुई
Mizoram
13 years 10 months

Deed: On the morning of 18 March 2016, Lalhriatpuii and her elder brother drove from their house to fetch their Uncle's LPG Cylinder and rice from the market. They carried their 2 year old cousin also with them. On their way back home, they stopped the car and got down to unload the goods. Accidentally, car slid downward on the steep road while the little boy was still inside. Both Lalhriatpuii and her brother tried to stop the moving car with all their might but failed in their attempt. Moving away from the car, her brother shouted and advised Lalhriatpuii to do the same since it was very dangerous for their own lives. However, Lalhriatpuii continued in her attempts to stop the car. As she pulled the car door in an effort to take the little boy out, she was hit by the door and fell down on the road. Eventually the car ran over Lalhriatpuii, severely wounding her. She was rushed to the hospital, but could not be saved.

Displaying exemplary courage & sense of duty, Lalhriatpuii sacrificed her life in an effort to save her cousin.

कार्य: 18 मार्च 2016 की सुबह, लालरियातपुई और उसका बड़ा भाई बाजार से अपने अंकल के लिए एल.पी.जी. सिलेण्डर और चावल लाने गए थे। वे अपने दो वर्षीय चचेरे भाई को भी साथ ले गए। वापिस लौटते समय उन्होंने रास्ते में अपनी गाड़ी रोकी और सामान उतारने लगे। अचानक कार ढलान से नीचे उतरने लगी, छोटा बच्चा गाड़ी में ही था। लालरियातपुई और उसके भाई दोनों ने, अपनी पूरी ताकत लगाकर, कार को रोकने की कोशिश की परन्तु उनका प्रयास असफल रहा। कार से दूर होते हुए, उसके भाई ने लालरियातपुई को भी दूर हटने को कहा क्योंकि ऐसा करना उनकी अपनी जान के लिए खतरनाक हो सकता था। फिर भी, लालरियातपुई कार को रोकने का प्रयत्न करती रही। जैसे ही उसने छोटे बच्चे को बाहर निकालने के लिए कार का दरवाजा खोला वह दरवाजे से चोट खाकर जमीन पर गिर पड़ी। अन्ततः लालरियातपुई कार के नीचे आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, परन्तु वह बच नहीं पाई।

अपार साहस एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय देते हुए लालरियातपुई ने अपने चचेरे भाई को बचाने के प्रयास में अपने प्राणों की आहुति दे दी।

Neelam Dhruv
कुमारी नीलम ध्रुव
Chhattisgarh
8 years



Deed: On 19 May 2016, at 6.00 p.m., Neelam Dhruv and her 4 year old friend Tikeshwari Dhruv were bathing in the Sheetla pond. Accidentally, Tikeshwari slipped & fell into deep water. Seeing her drowning, Neelam immediately jumped into the 8 feet deep pond. After a tireless effort, she caught hold of her hair and pulled her out safely.

Neelam Dhruv displayed great valour for her age in saving her friend.

कार्य: 19 मई 2016 की शाम छः बजे, नीलम ध्रुव अपनी सहेली टिकेश्वरी ध्रुव (4 वर्ष) के साथ शीतला तालाब में स्नान कर रही थी। अचानक टिकेश्वरी का पाँव फिसला और वह गहरे पानी में गिर गई। उसे डूबता देख, नीलम ने शीघ्र 8 फुट गहरे पानी में छलाँग लगा दी। अथक प्रयास के पश्चात, उसने उसे बाल पकड़ कर सुरक्षित बाहर निकाला।

नीलम ध्रुव ने छोटी सी उम्र में अपनी सहेली का जीवन बचाकर अपार साहस का परिचय दिया।

सत्यनिष्ठा



Sonu Mali
सोनू माली
Rajasthan
9 years 2 months

Deed: The incident occurred on the afternoon of 21 September, 2015 at a government school in Karauli. Joint classes were being conducted for the students of Std. 1 to Std. 5. Approximately 70 boys & girls were sitting on the ground in the verandah. A mat was lying behind the students. Just then, a 4 feet long black Cobra entered into the piled up mat. After the school was over, students tried to keep the mat somewhere else. Enraged by the touch, the snake started fanning its hood. The Cobra moved to attack a student Dharmendra Mali. Just then, another student Sonu immediately picked up the child pulling him away from the snake.

Sonu Mali, with his daring act, saved his school mate from the Cobra attack.

कार्य: यह घटना 21 सितंबर 2015 को, करौली के एक सरकारी विद्यालय में घटी। कक्षा एक से पाँच तक के विद्यार्थियों की संयुक्त कक्षा चल रही थी। लगभग सत्तर बालक-बालिकाएँ बरामदे में फर्श पर बैठे हुए थे। छात्रों के पीछे ही एक तह किया हुआ आसन पड़ा हुआ था। तभी एक चार फुट लम्बा, काला सर्प (कोबरा) उस आसन के अन्दर घुस गया। विद्यालय की छुट्टी होने पर छात्रों ने आसन को अन्यत्र रखना चाहा। स्पर्श से क्रोधित होकर, सर्प अपना फन हिलाने लगा। वह एक छात्र धमेन्द्र माली की ओर बढ़ा। तभी एक अन्य छात्र सोनू माली ने तुरन्त उसे गोदी में उठाकर सर्प से दूर कर दिया।

इस साहसिक कृत्य से, सोनू माली ने अपने सहपाठी को कोबरा सर्प के हमले से बचा लिया।

Mohan Sethy
मोहन सेठी
Odisha
11 years



Deed: The incident occurred on the morning of 28 June 2015, when Mohan Sethy and his best friend Sabyasachi (11 years) went to bathe in Genguti River. While bathing in the river, Sabyasachi lost balance. He started floating away by the undercurrent. Though he strived hard to save himself, his efforts went into vain. Seeing his friend, Mohan screamed for help. Finding no one around, he himself plunged into the river with a napkin in his hand. He swam to his drowning friend and told him to catch one end of the napkin. With great difficulty, Mohan dragged him towards the bank.

Mohan Sethy's courageous act saved his friend's life.

कार्य: घटना 28 जून 2015 की सुबह की है, जब मोहन सेठी और उसका घनिष्ठ मित्र सब्यासाची (11 वर्ष) गेंगुटी नदी में स्नान के लिए गए थे। स्नान करते समय, सब्यासाची का संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के बहाव में बहने लगा। यद्यपि उसने स्वयं को बचाने का बहुत प्रयास किया, पर वह अपनी कोशिश में विफल रहा। अपने मित्र को देख, मोहन मदद के लिए चिल्लाया। आस-पास किसी को न पाकर, वह स्वयं ही हाथ में कपड़ा लेकर नदी में कूद पड़ा। वह तैरकर अपने डूबते हुए मित्र के पास पहुँचा और उसे कपड़े का एक छोर पकड़ने को कहा। काफी कठिनाइयों के पश्चात, मोहन उसे किनारे तक खींच लाया।

मोहन सेठी के पराक्रमी कार्य से उसके मित्र का जीवन बच गया।



Siya Vamansa Khode सिया वामनसा खोडे Karnataka 10 years 6 months

Deed: On 14 April 2015, Siya Khode was playing with her four year old brother and cousins at home. They decided to go to the roof top. She suddenly realized that her brother was nowhere to be seen. Siya started looking for him. When he was found, he was still and speechless. Siya realized that he had come in contact with a live wire. She thought that touching her brother would electrocute her but not helping him would mean losing her brother forever. Siya held his shirt and pulled him tightly. As a result, her brother got detached from the live wire and fell unconscious. Even Siya fell at a distance. As her younger brother was unconscious, Siya screamed out for help. Her parents immediately rushed to the spot and took him to the hospital.

Siya Vamansa Khode's courageous and fearless action saved the life of her brother.

कार्य: 14 अप्रैल 2015 को, सिया खोडे अपने चार वर्षीय भाई एवं चचेरे भाईयों के साथ घर पर खेल रही थी। उन्होंने घर की छत पर जाने का निश्चय किया। अचानक उसने देखा कि उसका भाई वहाँ नहीं था। सिया उसे ढूँढने लगी। जब वह मिला तो वह स्थिर एवं कुछ न बोल पाने की स्थिति में था। सिया को एहसास हुआ कि वह एक चालू तार के संपर्क में था। उसने सोचा कि अपने भाई को छूने से उसे भी करंट लग सकता है परन्तु उसकी मदद न करने पर वह अपने भाई को हमेशा के लिए खो देगी। सिया ने उसकी कमीज पकड़कर उसे कसकर खींच लिया। ऐसा करने से उसका भाई तार की चपेट से विमुक्त हो गया और बेहोश होकर गिर पड़ा। सिया भी दूर जाकर गिरी। छोटे भाई को बेहोश देख, सिया मदद के लिए चिल्लाई। उसके माता-पिता तुरन्त वहाँ पहुँचे और उसे अस्पताल ले जाया गया।

सिया वामनसा खोडे के वीरतापूर्ण एवं निर्भीक कार्य से उसके भाई का जीवन बच गया।

Thanghilmang Lunkim

थंगिलमंग लंकिम

Nagaland

10 years 10 months



Deed: On the afternoon of 15 September 2015, Megovese and his elder brother were passing through a river bridge. As the bridge was slippery, Megovese fell off it and was swept away by the strong and raging current. His helpless brother screamed for help. Thanghilmang Lunkim, who was returning from school, heard his screams. He rushed to the spot and jumped into the 5 feet deep river. Thanghilmang swam for almost 120 metres. Getting hold of the drowning boy, he pulled him out safely.

Thanghilmang Lunkim's act of valour saved a precious life.

कार्य: 15 सितम्बर 2015 की दोपहर, मेगोवीज़ और उसका बड़ा भाई एक नदी का पुल पार कर रहे थे। पुल पर फिसलन के कारण, मेगोवीज़ गिर पड़ा और पानी के तीव्र बहाव में बह गया। उसका असहाय भाई मदद के लिए चिल्लाने लगा। थंगिलमंग लंकिम ने, जो स्कूल से वापिस लौट रहा था, उसकी पुकार सुनी। वह भाग-कर वहाँ पहुँचा और 5 फुट गहरी नदी में छलाँग लगा दी। थंगिलमंग तैरकर करीब 120 मीटर दूर पहुँचा। डूबते हुए लड़के को पकड़कर, उसने उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

थंगिलमंग लंकिम के शौर्यपूर्ण कृत्य से एक बहुमूल्य जीवन बच गया।

सत्यनिष्ठा



Praful Sharma
प्रफुल्ल शर्मा
Himachal Pradesh
11 years 10 months

Deed: The incident occurred on 13 December, 2015 when children of a school were on an educational tour. While returning from Dharamshala, they had a short break at Shiv Dwala. A few of the children and teachers alighted from the bus. One child fiddled with the brakes. The gear got shifted and the bus started moving down the hill. All were shouting for help. Meanwhile, Praful Sharma rushed and jumped onto the driver's seat, applied brakes and stopped the bus. He, thus, prevented loss of several lives & property.

Praful Sharma's prompt action and sense of duty averted a major accident.

कार्य: घटना 13 दिसम्बर 2015 की है जब कुछ बच्चे स्कूल की तरफ से भ्रमण के लिए गए हुए थे। धर्मशाला से वापसी के दौरान, वे लोग शिवद्वाला में रुके। कुछ बच्चे एवं उनके शिक्षक बस से उतर गए। तभी एक बच्चे ने ब्रेक के साथ छेड़खानी की। गेयर बदलने के कारण, बस पहाड़ी से नीचे की तरफ चलने लगी। सभी मदद के लिए चीख रहे थे। इसी बीच, प्रफुल्ल शर्मा दौड़कर चालक की सीट पर पहुँचा। ब्रेक लगाकर, उसने बस को रोक दिया। उसने, इस तरह, कई जीवन एवं सम्पत्ति का नुकसान होने से बचाया।

प्रफुल्ल शर्मा की तत्परता और कर्तव्यपरायणता से एक बड़ी दुर्घटना होते होते रह गई।

Tankeswar Pegu
टंकेस्वर पीगू
Assam
16 years 2 months

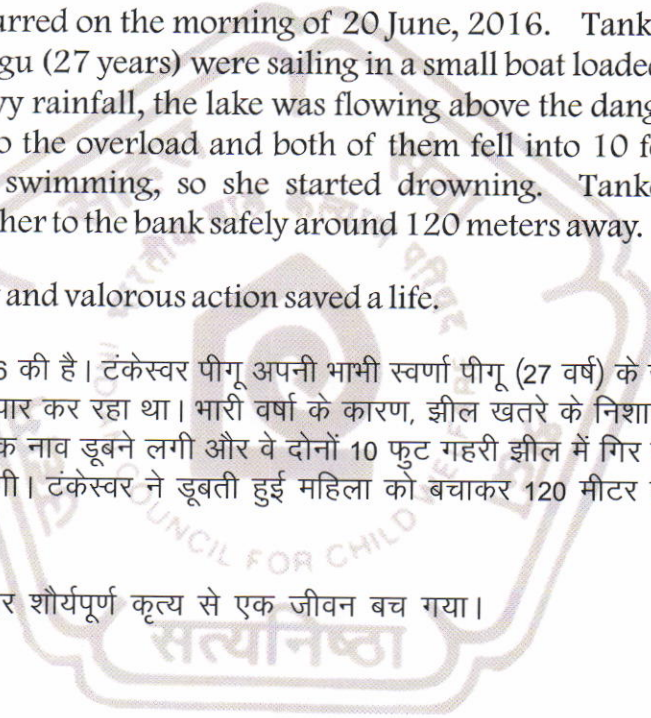


Deed: The incident occurred on the morning of 20 June, 2016. Tankeswar Pegu and his sister-in-law Swarna Pegu (27 years) were sailing in a small boat loaded with rice through Saran lake. Due to heavy rainfall, the lake was flowing above the danger level. Suddenly the boat capsized due to the overload and both of them fell into 10 feet deep lake. The woman did not know swimming, so she started drowning. Tankeswar rescued the drowning lady and took her to the bank safely around 120 meters away.

Tankeswar Pegu's timely and valorous action saved a life.

कार्य: यह घटना 20 जून 2016 की है। टंकेस्वर पीगू अपनी भाभी स्वर्णा पीगू (27 वर्ष) के साथ एक चावलों से भरी छोटी नाव में सारन झील को पार कर रहा था। भारी वर्षा के कारण, झील खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। अधिक वजन के कारण अचानक नाव डूबने लगी और वे दोनों 10 फुट गहरी झील में गिर गए। चूंकि महिला तैरना नहीं जानती थी, वह डूबने लगी। टंकेस्वर ने डूबती हुई महिला को बचाकर 120 मीटर दूर सुरक्षित किनारे तक पहुँचाया।

टंकेस्वर पीगू के सामयिक और शौर्यपूर्ण कृत्य से एक जीवन बच गया।





**Moirangthem
Sadananda Singh**
मोइरंगथम सदानंदा सिंह
Manipur
14 years 6 months

Deed: It was raining incessantly on 6 May, 2016. An electric water pump was running to pump out the water logged in the lawn of Radhamani Devi. The pumping set was connected by an extension cord from a 3-pin socket fitted in her kitchen. While cooking, suddenly due to a short-circuit, the socket exploded and went on burning with flames. Confused, she tried to unplug the pin and got a shock. Hearing her cries, both her children rushed to the spot. Finding his mother in the grip of an electric current, Sadananda ran out to the bed room. He broke the wooden curtain rod and came back with it. Sadananda gave a strong blow to loosen her mother's hand from the grip of the current. His mother stood momentarily and then fainted on the ground. Sadananda again ran out of the kitchen in order to get a thick blanket to cover his mother while simultaneously shouting for help. Some people rushed to the spot and helped Sadananda to completely douse the flames. His mother was rushed immediately to the hospital.

Sadananda Singh's brave action saved his mother's life.

कार्य: 6 मई 2016 को लगातार वर्षा हो रही थी। राधामनी देवी के आँगन में भरे पानी के निकास के लिए एक बिजली का पम्प चल रहा था। पम्पिंग सेट एक तार द्वारा उसके रसोई में लगा हुआ था। खाना बनाते समय, अचानक शार्ट सर्किट के कारण, सॉकेट में आग लग गई। घबराहट में, उसने प्लग निकालने की कोशिश की तो उसे झटका लगा। चीखें सुनकर, उसके दोनों बच्चे वहाँ पहुँचे। अपनी माँ को करेंट की चपेट में देख, सदानंदा शयन कक्ष की ओर भागा। लकड़ी की रॉड से पर्दा निकालकर, वह रॉड लेकर वापिस आया। अपनी माँ के हाथ को करेंट से छुड़ाने के लिए, सदानंदा ने जोर से प्रहार किया। क्षणभर खड़ी रहकर, उसकी माँ बेहोश होकर गिर पड़ी। सदानंदा दुबारा भागते हुए रसोई में गया और अपनी माँ को ओढ़ाने के लिए एक मोटा कंबल लेकर आया। साथ ही साथ मदद के लिए भी पुकार लगाई। कुछ लोग घटना-स्थल पर पहुँचे और आग बुझाने में सदानंदा की मदद की। उसकी माता को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

सदानंदा सिंह के शौर्यपूर्ण कृत्य से उसकी माता का जीवन बच गया।

Adithyan M.P. Pillai
आदित्यन एम.पी. पिल्लई
Kerala
14 years



Deed: On 19 May 2016, three children Jaibal, Abel and Maleesha (age 10 to 15 years) had gone to the Pamba river. While bathing, one of them accidentally slipped into the deep side of the river and started crying loudly. Seeing this, the other two children jumped into the water to save him but both of them entered the danger zone. Adithyan, who was bathing there immediately, reached the spot. Jumping into the 11 feet deep river, he caught the boy and pushed him towards the bank. Then, catching hold of Jaibal's hair, Adithyan pulled her. While he was doing so, Maleesha held onto Jaibal. Adithyan, thus rescued all three children

Adithyan Pillai's courageous and selfless act saved three lives.

कार्य: 19 मई 2016 को तीन बच्चे जयबल, एबल और मेलिशा (उम्र 10 से 15 वर्ष) पम्बा नदी पर गए थे। स्नान करते समय, उनमें से एक अचानक फिसलकर नदी की गहराई में चला गया और चीख पुकार करने लगा। यह देख अन्य दो बच्चे उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़े किन्तु दोनों ही खतरे के क्षेत्र में पहुँच गए। आदित्यन जो वहाँ स्नान कर रहा था, तुरन्त वहाँ पहुँचा। 11 फुट गहरी नदी में कूदकर, उसने लड़के को पकड़ा और किनारे की ओर धकेला। तत्पश्चात, जयबल के बाल पकड़कर, आदित्यन ने उसे खींचा। ऐसा करते समय, मेलिशा ने जयबल को पकड़े रखा। इस प्रकार आदित्यन ने तीनों बच्चों को बचा लिया।

आदित्यन पिल्लई के साहसिक एवं निःस्वार्थ कृत्य से तीन जीवन बच गए।



Km. Anshika Pandey अंशिका पाण्डेय Uttar Pradesh 14 years 8 months

Deed: On the morning of 14 September 2015, Anshika Pandey was going to her school on her bicycle. When she reached 500 meters away from her house, the driver of an SUV car stopped her to enquire about an address. When she started telling him the location, the driver requested her to tell this to the person sitting at the back seat. As she moved her bicycle back & started telling the address, that person tried to drag her inside by pulling her hair. Anshika put her feet near the car door so that the door could not be closed. That person asked the driver for a bottle containing some liquid (probably acid) & tried to pour it in her eyes. Anshika continuously struggled to escape & bit him in his hand. As a result, the bottle fell down in the car. Seeing Anshika trying to save herself from the miscreant, one of her friends screamed for help. Just then, that person hit at her face with a knife. As Anshika tried to resist with her right hand, she got her hand injured. The miscreant could not shut the car door so he threw Anshika out & fled.

Anshika Pandey displayed rare grit and determination in fearlessly fighting off the miscreant.

कार्य: 14 सितम्बर 2015 की सुबह, अंशिका पाण्डेय अपनी साइकिल पर स्कूल जा रही थी। घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर, एक एसयूवी गाड़ी के चालक ने उसे एक पता पूछने के बहाने रोका। जब वह पता बताने लगी, तो चालक ने कहा कि पीछे बैठे साहब को बता दीजिए। जैसे ही उसने साइकिल पीछे की ओर पता बताने लगी, उस व्यक्ति ने उसके बाल पकड़कर अंदर खींचने का प्रयत्न किया। अंशिका ने अपने पैर कार के दरवाजे में फँसा दिए ताकि दरवाजा बंद न हो सके। उस व्यक्ति ने चालक से एक बोतल माँगी जिसमें कुछ तरल पदार्थ (संभवतः एसिड) था। और अंशिका की आँखों में डालने का प्रयास किया। अंशिका निरंतर स्वयं को बचाने का प्रयत्न करती रही और उस व्यक्ति के हाथ में काट लिया। परिणामस्वरूप, बोतल गाड़ी में गिर गई। अंशिका की एक सहेली उसे बदमाश से जूझते देख, मदद के लिए चिल्लाने लगी। तब उस व्यक्ति ने चाकू से उसके चेहरे पर वार कर दिया। वार से बचने के लिए, अंशिका ने अपना दाँया हाथ आगे किया जिससे उसका हाथ जखमी हो गया। बदमाश गाड़ी की दरवाजा बंद नहीं कर सका इसीलिए वह अंशिका को बाहर फेंककर भाग गया।

अंशिका ने निर्भीकतापूर्वक हमलावर का सामना कर अद्भुत साहस एवं दृढ़ता का परिचय दिया।

Binil Manjaly
बिनिल मंजली
Kerala
15 years 11 months



Deed: The incident occurred at the midnight of 17 April, 2016. Binil Manjaly and his family members were returning in their car after attending a programme. Binil's sister noticed a 10 year old boy crying loudly and running after vehicles to get some help. As they stopped their car, the boy appealed to save his family members who had fallen into the Periyar Canal. Binil instantly took off his clothes and jumped into the 20 feet deep canal. Catching hold of Smt. Shybi, Binil brought her to the bank. Re-entering the water, he searched for the other two persons but failed in his attempt. Meanwhile, his parents informed the Police and the Fire Force. The bodies of the other two were later recovered.

Binil Manjaly displayed outstanding bravery in saving a precious life with his selfless act.

कार्य: यह घटना 17 अप्रैल 2016 की रात को घटी। बिनिल मंजली और परिवार वाले एक कार्यक्रम के बाद अपनी कार से वापिस लौट रहे थे। बिनिल की बहन ने देखा कि एक दस वर्षीय बच्चा रो रहा था और गाड़ियों के पीछे भागकर मदद माँग रहा था। जैसे ही उन्होंने कार रोकी, लड़के ने उनसे अपने परिवार वालों को जो कि पेरियार नहर में गिर गए थे, बचाने के लिए मदद माँगी। बिनिल ने तुरन्त अपने कपड़े उतारे और 20 फुट गहरी नहर में छल्लाँग लगा दी। श्रीमति शाइबी को पकड़, बिनिल उन्हें किनारे तक लेकर आया। पुनः तैरकर वह पानी में गया और अन्य दो लोगों को ढूँढने का प्रयास किया परन्तु असफल रहा। इसी बीच उसके माता-पिता ने, पुलिस और अग्नि-शमन दल को सूचित कर दिया। उन दोनों के शव बाद में ढूँढ निकाले गए।

बिनिल मंजली ने अपने निःस्वार्थ कृत्य से एक अनमोल जीवन बचाकर उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया।



Akshita Sharma
अक्षिता शर्मा
Delhi
16 Years 2 Months



Akshit Sharma
अक्षित शर्मा
Delhi
13 Years 7 Months

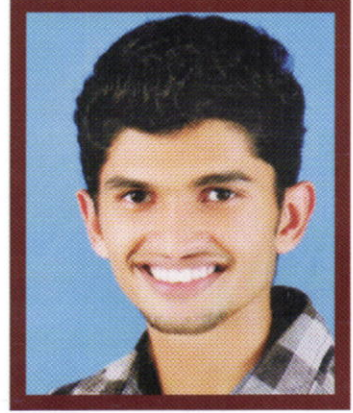
Deed: On the afternoon of 8 December 2015, Akshita and her younger brother Akshit returned home from school to find the iron gate of the house opened and wooden door closed from inside. After knocking at the door several times, they heard a response from inside. However uncomfortable at the unfamiliar voice, the children did not respond. Sensing trouble, Akshita tried to peep through the window on the top of the main door and noticed two strangers moving inside the drawing room. Meanwhile, Akshit kept knocking at the door. As one of the thieves jumped from the balcony carrying some bags, Akshita rushed forward and tried to catch him by his cloths. However, the miscreant caught her neck and slapped her face. As a result, Akshita's spectacles fell on the ground and the thief fled. As the second thief came out from the balcony carrying a bag, Akshit too rushed there throwing the school bags aside. Both the children caught hold of the thief tightly and started shouting. Hearing them, neighbours rushed to the spot. The thief was thus apprehended.

Akshita Sharma and Akshit Sharma fearlessly confronted the miscreants with indomitable courage.

कार्य: 8 दिसम्बर 2015 की दोपहर, अक्षिता और उसका छोटा भाई अक्षित स्कूल से वापस पहुँचे तो उन्हें घर का लोहे का दरवाजा खुला मिला जबकि लकड़ी का दरवाजा अंदर से बन्द था। कई बार खटखटाने के बाद, अंदर से आवाज आई। किन्तु अनजानी आवाज सुनी, तो बच्चों ने कोई जवाब नहीं दिया। खतरे को भाँप-कर, अक्षिता ने दरवाजे के ऊपर बने रोशन-दान से अंदर झाँकने की कोशिश की तो देखा दो अजनबी लोग ड्राइंग रूम में घूम रहे थे। इस बीच अक्षित दरवाजा खटखटाता रहा। एक चोर को सामान के साथ बालकनी से कूदते हुए देख, अक्षिता उस ओर दौड़ी और उसे पकड़ने की कोशिश की। परन्तु बदमाश ने उसकी गर्दन पकड़ ली और उसे थप्पड़ मारने लगा। फलस्वरूप, अक्षिता का चश्मा जमीन पर गिर गया और चोर भाग गया। दूसरे चोर को बैग के साथ बालकनी से आते देख, अक्षित ने स्कूल का बैग एक तरफ फेंका और उसकी तरफ दौड़ा। दोनों बच्चों ने चोर को कस कर पकड़ लिया और चोर-चोर चिल्लाने लगे। उनकी आवाज़ सुनकर पड़ोसी वहाँ पहुँचे और चोर को पकड़ लिया गया।

अक्षिता शर्मा और अक्षित शर्मा ने निर्भीकता और अदम्य साहस से बदमाशों का सामना किया।

Akhil K. Shibu
अखिल के. शिबु
Kerala
16 years 9 months



Deed: The incident occurred on 23 December, 2015. Shri Harinarayanan along with nine others was taking bath at Ramapuram ghat of river Pampa. Accidentally, Harinarayanan got entangled in the strong current and started drowning in the deep water. At that time, Akhil and his friends were playing football at the river shore. They heard the sound of crying and realized that a person was drowning. Akhil instantly jumped into the 12 meter deep river to save the person. Akhil swam to hold the victim's hand. Harinarayanan in his desperation, grabbed Akhil and they both started going under water. Changing his strategy, Akhil went under the water and from other side pushed him forward to the shore, thus reaching at the bank safely.

Risking his own life, Akhil Shibu, saved a precious life with promptness and courage.

कार्य: यह घटना 23 दिसम्बर 2015 की है। श्री हरिनारायनन एवं नौ अन्य व्यक्ति, पम्पा नदी के रामापुरम घाट पर स्नान कर रहे थे। दुर्घटनावश, हरिनारायनन तीव्र धारा में फँस गए और गहरे पानी में डूबने लगे। उस समय अखिल और उसका मित्र, नदी के किनारे फुटबाल खेल रहे थे। चिल्लाने की आवाज सुनी तो उन्हें एहसास हुआ कि एक व्यक्ति डूब रहा था। अखिल ने तुरन्त 12 मीटर गहरी नदी में उस व्यक्ति को बचाने के लिए छल्ला लगा दी। अखिल तैरकर पहुँचा और उस व्यक्ति का हाथ पकड़ लिया। हरिनारायनन ने घबराहट में अखिल को पकड़ लिया और वे दोनों नदी की गहराई में डूबने लगे। अपनी नीति को बदलकर, अखिल पानी के नीचे गया और दूसरी तरफ से उसे आगे की ओर धकेलकर, सुरक्षित किनारे तक पहुँचाया।

अपना जीवन खतरे में डालकर, अखिल शिबु ने तत्परता और साहस से एक बहुमूल्य जीवन बचाया।



Naman

नमन

Delhi

16 Years 9 Months

Deed: During the summer holidays, Naman had gone to his uncle's house at Sonepat. On 2 July 2015, he alongwith four other children went to the Yamuna Canal to bathe. After swimming for an hour, they were going back to change their clothes when they heard a child shouting for help. Noticing the child floating in the water, Naman immediately jumped into the 12 feet deep canal. He swam towards the child and caught hold of him. Naman was feeling exhausted and breathless. Still he held the child's waist tightly & started carrying him towards the bank. Suddenly Naman remembered that a broken part of the bridge with iron rod protruding out of it was there under the bridge. Despite many difficulties, Naman didn't give up and succeeded in his efforts.

Naman's indomitable courage saved a child's life.

कार्य: गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, नमन, सोनीपत अपने अंकल के घर गया हुआ था। 2 जुलाई 2015 को वह चार अन्य बच्चों के साथ यमुना नहर पर स्नान के लिए गया। एक घंटे तैराकी के पश्चात, वे कपड़े बदलने वापिस जा रहे थे जब उन्होंने एक बच्चे को मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना। बच्चे को पानी में डूबता देख, नमन ने तुरन्त 12 फुट गहरी नहर में छलाँग लगा दी। वह तैरकर बच्चे के पास पहुँचा और उसे पकड़ लिया। नमन की साँस उखड़ रही थी और वह थकान महसूस कर रहा था। फिर भी उसने बच्चे को कमर से कस कर पकड़ा और उसे किनारे की ओर ले जाने लगा। अचानक नमन को याद आया कि पुल का नीचे का कुछ हिस्सा टूटकर पानी में गिरा हुआ था जिसमें से नुकीले सरिए भी बाहर निकले हुए थे। अत्याधिक परेशानियों के बावजूद, नमन ने हिम्मत नहीं हारी और अन्ततः अपने प्रयास में सफल रहा।

नमन के अतुलनीय साहस से एक बच्चे का जीवन बच गया।

Nisha Dilip Patil
निशा दिलिप पाटिल
Maharashtra
16 years 7 months



Deed: The incident occurred on the morning of 14 January, 2016 when Kastura bai Nathu's house caught fire. At that time she had gone to drop her son to the school leaving her six month old baby sleeping in a cradle hanging from the ceiling. Nisha Dilip Patil noticed the smoke gushing out from her neighbour's window. Hearing the baby's cries, she rushed to the house. As Nisha opened the door, she found the fire spreading rapidly and had almost reached the baby. Within a span of few seconds, Nisha picked up the baby & rushed out of the burning house. Meanwhile several people gathered there & poured water to douse the flames.

Nisha Dilip Patil's valorous & timely act saved the infant's life.

कार्य: यह घटना 14 जनवरी 2016 की सुबह की है जब कस्तूराबाई के घर में आग लग गई। उस समय वह अपने बेटे को स्कूल छोड़ने गई थी जबकि उसका छः महीने का शिशु घर ही में छत से बँधे एक पालने में सो रहा था। निशा दिलिप पाटिल ने अपनी पड़ोसन के घर की खिड़की से धुँआ निकलते देखा। शिशु के रोने की आवाज सुनकर, वह घर की ओर दौड़ी। दरवाजा खोलते ही उसने देखा कि आग तेजी से फैलकर शिशु के पालने तक पहुँच गई थी। निशा तुरन्त बच्चे को उठाकर, कुछ ही पलों में जलते हुए घर के बाहर भागी। इसी दौरान, कई लोग एकत्रित हो गए एवं पानी डालकर आग बुझाने लगे।

निशा दिलिप पाटिल के साहसिक एवं सामयिक कृत्य ने एक नन्हे शिशु का जीवन बचा लिया।



Badarunnisa K.P.
बदरुनिसा के. पी.
Kerala
15 years 7 months

Deed: On 4 May 2015, 15 year old Vismaya and her mother had gone to a pond to take a bath. The girl slipped into the water and started drowning. Her mother Raji jumped to rescue her but she failed in her attempt and started drowning too. Seeing this, Badarunnisa immediately jumped into the 20 feet deep pond to rescue her friend and her mother and pulled them to safety.

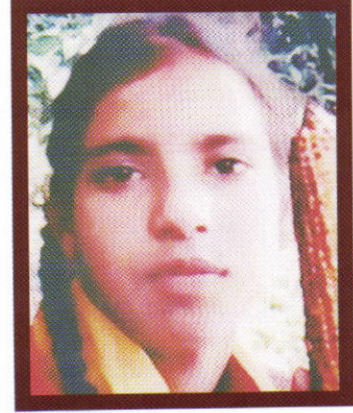
Badarunnisa valiantly saved two persons with her selfless act.

कार्य: 4 मई 2015 को, 15 वर्षीय विस्माया अपनी माँ के साथ एक तालाब पर स्नान के लिए गई थी। पानी में लड़की फिसल गई और डूबने लगी। उसकी माँ राजी उसे बचाने के लिए कूदी परन्तु अपनी कोशिश में नाकामयाब रही और खुद भी डूबने लगी। यह देख, बदरुनिसा ने तुरन्त अपनी मित्र और उसकी माँ को बचाने के लिए 20 फुट गहरे तालाब में छलॉंग लगा दी और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बदरुनिसा ने पराक्रम और निःस्वार्थ से दो लोगों को बचाया।

सत्यनिष्ठा

Payal Devi
पायल देवी
Jammu & Kashmir
12 years



Posthumous
मरणोपरान्त

Deed: The incident occurred on the afternoon of 12 May, 2016 in district Ramban of Jammu & Kashmir. Due to cloud burst, all the drains were overflowing. Three students were returning from school. Unfortunately Rakesh (14 years) & Shefali (5 Years) were trapped in the flash flood at Chakwa Nullah. Sensing the danger, Payal immediately jumped into 17-20 feet deep water to save them. But eventually all of them were washed away by the flash flood.

Payal Devi made the supreme sacrifice of her life in her courageous effort of saving two children.

कार्य: घटना 12 मई 2016 की दोपहर, जम्मू कश्मीर के रामबान जिले की है। बादल फटने के कारण, सभी नाले उफान पर थे। तीन छात्र विद्यालय से वापिस लौट रहे थे। दुर्भाग्यवश राकेश (14 वर्ष) और शैफाली (5 वर्ष) चकवा नाले पर बाढ़ में फँस गए। खतरे को भाँपकर, पायल ने तुरन्त उनको बचाने के लिए 17 से 20 फुट गहरे पानी में छलाँग लगा दी। परन्तु दुर्भाग्यवश वो सभी तीव्र प्रवाह में बह गए।

दो बच्चों को बचाने के बहादुरीपूर्ण प्रयास में, पायल देवी ने अपने जीवन का बलिदान दे दिया।